

मानीटरन या परामर्शी कार्यशालायें  
Monitoring and Mentoring Workshops

क्रम सं.	क्षेत्र	स्थान	दिनांक	मानीटर नियोजित	मानीटर उपस्थित
S.No	Region	Venue	Dates	Monitors planned	Monitors Present
1.	पंचकूला Panchkula	स्प्रिंगडेल्स स्कूल, अमृतसर Springdales School, Amritsar	09.03.2010	62	27
2.	पंचकूला Panchkula	मानव मंगल, पंचकूला Manav Mangal, Panchkula	09.03.2010	77	60
3.	अजमेर Ajmer	इण्डिया इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर India International School, Jaipur	13.03.2010	90	69
4.	चेन्नई Chennai	क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई Regional Office, Chennai	16.03.2010	29	23
5.	दिल्ली Delhi	लक्ष्मण पब्लिक स्कूल, दिल्ली Laxman Public School, Delhi	20.3.2010	32	22
6.	दिल्ली Delhi	भारतीय विद्या भवन, दिल्ली Bhartiya Vidya Bhawan, Delhi	20.3.2010	45	21
7.	दिल्ली Delhi	कुलाची हंसराज मॉडल स्कूल, दिल्ली Kulachi Hansraj Model School, Delhi	20.3.2010	82	55
8.	गुवाहाटी Guwahati	महर्षि विद्या मन्दिर, गुवाहाटी Maharishi Vidya Mandir, Guwahati	17.4.2010	42	27
9.	पंचकूला Panchkula	डीएवी स्कूल, सेक्टर-15, चण्डीगढ़ DAV School, Sec-15 Chandigarh.	29.04..2010	83	100
10.	भुवनेश्वर Bhubaneswar	एपीजे स्कूल, कोलकता Apeejay School, Kolkata.	30.4.2010	31	23
11.	इलाहाबाद Allahabad	आर्मी स्कूल, इलाहाबाद Army School, Allahabad	30.4.2010	33	26
12.	अजमेर एवं चेन्नई Ajmer & Chennai	नवरचना हायर सेकेण्डरी स्कूल, बड़ौदा Navrachna Higher Sec. School, Baroda	14.5.2010	30	16

### सीबीएसई अन्तरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम

सीबीएसई में रूचि रखने वाले विदेशी विद्यालयों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वर्तमान पाठ्यक्रम पहले से अधिक नम्य तथा अन्तरराष्ट्रीय "छात्र केन्द्रित" पाठ्यचर्या के आधार पर 29 मार्च 2010 को शुरू किया।

### CBSE International Curriculum

The Central Board of Secondary Education launched 29 March 2010 an international "child-centric" curriculum that is more flexible than the existing syllabus on with the purpose of reaching out to foreign schools interested in the CBSE.



पाठ्यचर्या को भारत से बाहर के संबद्ध विद्यालयों में चरणबद्ध रूप से लागू किया जायेगा और उसके बाद इसे सीबीएसई से संबद्ध उन विद्यालयों में लागू किया जायेगा जो इस पाठ्यचर्या की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे। अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (एन.सी.एफ.2005) को आधार मानकर बनाया गया है।

सीबीएसई पाठ्यचर्या का अनुसरण करने वाले मुख्य रूप से ओमान, कतर, दुबई, मस्कट, सिंगापुर के लगभग 30 विद्यालयों की पहचान अन्तरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम स्वीकार करने के लिए की गई। चयनित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण सीबीएसई में आयोजित किया गया। कक्षा 1 तथा 9 के लिए पाठ्यचर्या विकास से संबद्ध मुख्य व्यक्तियों तथा विचारकों ने विषय वस्तु की जटिलताओं तथा नये पाठ्यचर्या को लागू करने के लिए अपनाई जाने वाली शैक्षिक तकनीक के बारे में समझाया।

### सीबीएसई-आई की मुख्य बातें

- जिज्ञासा तथा कौशल आधारित पाठ्यचर्या, द्वारा व्यक्तिगत अधिगम शैली को बढ़ावा देना।
- अनुभवात्मक अधिगम, प्रायोगिक विश्लेषण, खोज उपागम पर बल देना।

अधिगम के सभी क्षेत्रों का एक आधार तथा विस्तार होगा। विस्तारों को वैकल्पिक क्षेत्र की तरह माना जायेगा। एक मुख्य क्षेत्र जिसमें समस्याओं की समझ (सूचित स्थिति), आलोचनात्मक चिंतन, शोध परियोजना, जीवन कौशल और कार्य तथा क्रियान्वयन के द्वारा सामाजिक सशक्तिकरण शामिल है, के साथ 5 अधिगम क्षेत्र अथवा जांच की ईकाईयां शामिल हैं।



The curriculum would be introduced in a phased manner at different levels in affiliated schools outside India and subsequently, to other affiliated schools which are able to cope with the challenges this curriculum would provide. The international curriculum has been designed keeping in view the foundations of the National Curricular Framework (NCF 2005).

As many as 30 schools, mainly in Oman, Qatar, Dubai, Muscat, Singapore following the CBSE curriculum, were identified for adopting the international courses. An orientation programme for the principals of identified schools was held at the CBSE. The Resource Persons and Ideators associated with curriculum development for classes I and IX explained the intricacies of the content and the pedagogy adopted to implement the new curriculum.

### Key Features of the CBSE

- Enquiry and skill based curriculum, catering to individual learning styles.
- Focus on experiential learning, experimental analysis and discovery approach.

All areas of learning will have a foundation and an extension. The extensions will be present as optional areas. There are five learning areas or Units of Enquiry with a Core Area that incorporates Perspectives (informed positions), Critical Thought, Research Project, Life Skills and Social Empowerment through Work and Action (SEWA).

सीबीएसई—अंतर्राष्ट्रीय (सीबीएसई—आई) विश्वव्यापी पाठ्यचर्या की शुरुआत दुबई के इण्डियन हाई स्कूल में हुई जिसकी अध्यक्षता माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री कपिल सिबल ने की।

नया पाठ्यचर्या जिसे 9 देशों तथा 30 स्कूल में लागू किया जा रहा है, दृश्य एवं मंच कला, सामाजिक विज्ञान, गणित तथा विज्ञान को भी पर्याप्त महत्व देगा।

सीबीएसई—आई अपने विद्यार्थियों को सामाजिक कौशल प्रदान करने के साथ ही साकारात्मक अभिवृत्ति के महत्व पर बल देगी।

## व्यावसायिक शिक्षा

### एडयूसैट

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एडुसेट नेटवर्क सांझेदारों में से एक है। शिक्षा क्षेत्र की सेवा के लिए एडुसेट पहला एकमात्र सेटेलाइट है। दृश्य—श्रव्य माध्यम, डी टी एच गुणवत्ता प्रसारण के माध्यम से छात्रों ओर अध्यापकों के लाभ के लिए परस्पर क्रिया आधारित दूरवर्ती शिक्षा प्रणाली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इसे विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

भारतीय अनुसंधान संगठन (इसरो), अहमदाबाद द्वारा सीबीएसई को छह सेटेलाइट इन्टरएक्टिव टर्मिनल्स (एसआईटी) आवंटित किए गए हैं। ये टर्मिनल्स दिल्ली से बाहर क्षेत्रीय कार्यालयों में और एक मुख्यालय दिल्ली में स्थापित किया गया है।

## व्यावसायिक शिक्षा

वर्तमान में, बोर्ड ने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को संबंधित क्षेत्रों में हुए नवीनतम विकासक्रमों के साथ सामंजस्य करने के लिए विद्यमान 32 व्यवसायिक पाठ्यक्रमों का पुनरीक्षण किया है रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान:

The worldwide launch of CBSE-International curriculum (CBSE-i) was held at Indian High School, Dubai which was presided over by the Hon'ble Human Resource Development Minister Sh. Kapil Sibal.

The new curriculum, which is being introduced in nine countries and 30 schools, would give substantial importance to visual and performing arts. Social science, math, and the sciences.

The CBSE-i would also impart to its students social skills, and at the same time highlight the importance of a positive attitude.

## Vocational Education

### Edusat

The Central Board of Secondary Education (CBSE) is one of the network partners of Edusat network. Edusat is the first exclusive satellite for serving the education sector. It has been specially designed to meet the growing demand for an Interactive Based Distance Education System for the benefit of the students and teachers through audio visual medium, Direct to Home (DTH) quality broadcast.

The CBSE has been allocated six Satellite Interactive Terminals (SITs) by Indian Space Research Organisation (ISRO) Ahemadabad. These terminals have been installed in the Regional Offices outside Delhi and one at the Headquarter Delhi. All the SITs have become operational.

## Vocational Education

Presently, the Board has undertaken a review of the existing 32 Vocational Courses to make them in consonance with the latest developments in the relevant field. During the period under report :

- क) स्वास्थ्य रक्षा विज्ञान, आतिथ्य सत्कार एवं पर्यटन और मीडिया अध्ययन एवं मीडिया प्रस्तुति में नये व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए ।
- ख) फैशन डिजाइन एवं वस्त्र प्रौद्योगिकी में पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या तैयार की गई ।
- ग) स्वास्थ्य रक्षा विज्ञान की नियमावलियां मुद्रित कराई गई ।
- घ) एफएमएम पाठ्यचर्या का पुनरीक्षण किया गया ।
- ड.) एडुसेट कार्यक्रमों को परिशोधित किया गया ।

- a. New Vocational Courses in Healthcare Sciences, Hospitality and Tourism and Media Studies & Media Production were launched.
- b. Syllabus and curriculum in Fashion Design and Garment Technology was prepared.
- c. Manuals in Healthcare Sciences were printed.
- d. FMM curriculum was reviewed.
- e. Edusat programmes were revised.

### पुराने पैकजों के पाठ्यक्रम में संशोधन

नीचे दिए गए कोर्सों के पाठ्यक्रमों को नवीन बाजार मांग को ध्यान रखते हुए परिशोधित किया गया:

- स्टेनोग्राफी एवं ऑफिस सेक्रेटरीशिप
- भारतीय नर्सिंग परिषद् के साथ परामर्श सहायक नर्सिंग एवं प्रसूतिविद्या (ए एन एम) ।
- इलेक्ट्रॉनिक विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत डीओईएसीसी के विशेषज्ञों की सहायता से आईटी एप्लीकेशन ।

### Revision of Curriculum of Old Packages

The Curriculum of the following courses were revised keeping in view the latest market demand:

- Stenography & Office Secretaryship.
- Auxiliary Nursing & Midwifery (ANM) in consultation with Indian Nursing Council.
- IT Applications with the help of experts from DOEACC under the Department of Electronics, Government of India.

### शारीरिक शिक्षा

कक्षा XI और XII के लिए शारीरिक शिक्षा पाठ्यचर्या को संशोधित किया गया । बोर्ड से संबद्ध स्कूलों के शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों के लिए एलएनयूपीई ग्वालियर के सहयोग से मई और जून 2009 महीनों के दौरान दो अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

### Physical Education

The Physical Education Curriculum has been revised for class XI and XII. Two orientation programmes were organised for the Physical Education Teachers' of schools affiliated to the Board in association with LNUPE Gwalior during the months of May and June 2009.

### खेल-कूद प्रतियोगिताएं

सीबीएसई खेल-कूद की शुरुआत सन् 1996 में हुई थी, जिसे वर्तमान में बोर्ड की महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक माना जाता है । बोर्ड से संबद्ध पूरे भारत और खाड़ी में स्थित लगभग 6300 विद्यालयों

### Sports and Games Competitions

The CBSE Sports and Games introduced in the year 1996 is presently seen as one of the important activities of the Board. The competitions are organised for the

के स्वतंत्र वर्ग के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। स्पोर्ट्स से संबंधित विभिन्न मामलों पर विचार करने के लिए सीबीएसई स्पोर्ट्स समिति, सीबीएसई स्पोर्ट्स क्षेत्रीय समिति और सीबीएसई स्पोर्ट्स तकनीकी समिति की बैठकों का आयोजन किया गया। इस वर्ष तीन और खेल, स्केटिंग, टेइकवांडों और फुटबाल(गर्ल्स) शामिल किए गए। कुल मिलाकर खेलों की 16 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पूरे देश में लगभग 150 स्थानों पर क्लस्टर, अंचल तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसमें लगभग एक लाख छात्रों ने भाग लिया। इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कोटि के बहुत से खिलाड़ियों ने भाग लिया।

### सीबीएसई चाचा नेहरू खेल पुरस्कार

राष्ट्रीय स्तर पर गठित चयन समिति ने सीबीएसई चाचा नेहरू खेल पुरस्कार के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 130 विद्यार्थियों को चुना और एथलेटिक्स और तैराकी में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए 6000/-रु० प्रति व्यक्ति के पुरस्कार दिये।



Independent Category of Schools affiliated to the Board that numbers nearly 6300 and are situated all over India and in the Gulf. The meetings of CBSE Sports Committee, CBSE Sports Regional Committee and CBSE Sports Technical Committee were organised so as to address various issues related to sports. This year three more disciplines were introduced, namely Skating, Taekwondo and Football (Girls). In all, the competitions were organised in 15 disciplines. The competitions at Cluster, Zone and National level were held at nearly 150 venues spread all over India. Approximately one lakh students participated including many National and International ranking players.

### CBSE Chacha Nehru Sports Award

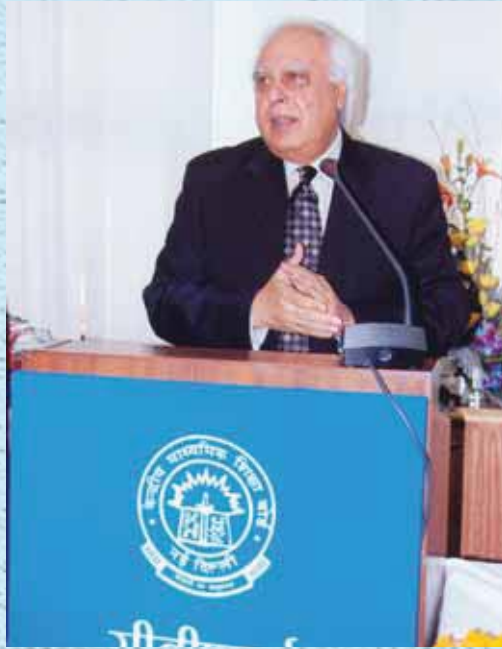
The selection committee at national level selected 130 athletes for the CBSE Chacha Nehru Sports Award of Rs. 6000 per student for the outstanding performance shown by them and for setting new records in Athletics and Swimming.



## समारोह और कार्यक्रम Events and Programmes

### शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार

सीबीएसई विद्यालयों से चौदह प्रधानाचार्यों तथा शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चुना गया जिन्हें महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा शिक्षक दिवस पर पुरस्कृत किया गया।



### National Award to Teachers

Fourteen principals and teachers were selected from amongst the CBSE schools for National Awards, which were given by her Excellency the President of India on Teacher's Day.



### सीबीएसई शिक्षक पुरस्कार

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2000 से शिक्षकों के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार प्रारंभ किए हैं ताकि उन शिक्षकों की उपलब्धियों, प्रवीणता तथा विदग्धता को सम्मानित करने की परम्परा को सुदृढ़ किया जा सके जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सीबीएसई शिक्षक पुरस्कारों को एक विशिष्ट एवं पृथक वर्ग के रूप में प्रतिष्ठित किया है। देश-विदेश में सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों से चयनित चौदह प्रधानाचार्यों तथा शिक्षकों को ये

### CBSE Award to Teachers

The Central Board of Secondary Education instituted Incentive Award to teachers in the year 2000 to reinforce the tradition of honouring the unique accomplishment, proficiency and ingenuity of teachers who have made a substantial contribution to the field of education. The Ministry of Human Resource Development has given a special and separate category status to the CBSE Awards to Teachers. Fourteen awards were given to the selected principals and teachers from CBSE affiliated schools in the county and abroad.

पुरस्कार प्रदान किए गए। देश भर में सीबीएसई के आठ क्षेत्रीय कार्यालय हैं तथा प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के लिए दो-दो पुरस्कार रखे गए हैं। एक पुरस्कार विदेश में स्थित सीबीएसई से संबद्ध विद्यालय के लिए आरक्षित है तथा एक पुरस्कार सीबीएसई से संबद्ध विद्यालय में कार्यरत शारीरिक शिक्षा के शिक्षक के लिए रखा गया है। पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र, एक शॉल तथा रु. 25,000/- का नकद पुरस्कार की राशि सम्मिलित है। बोर्ड क्षेत्रीय समितियों का गठन करता है जो अंतिम चयन के लिए गठित सीबीएसई केन्द्रीय पुरस्कार समिति को प्रधानाचार्यों और शिक्षकों के नामों की संस्तुति करती है।

श्री कपिल सिब्बल, माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5 सितम्बर 2009 को इण्डियन इन्स्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन नई दिल्ली में भव्य समारोह में श्रीमती पुरंदेश्वरी, राज्य मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की गरिमामय उपस्थिति में पुरस्कार प्रदान किये गए। इस अवसर पर बहुत से प्रधानाचार्य तथा शिक्षक, शिक्षा विभागों के अधिकारी/कर्मचारी, शिक्षाविद् तथा विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

The Central Board of Secondary Education has eight Regional Offices in the country and awards are allocated for schools coming under the jurisdiction of all Regional Offices, one award is reserved for teachers working in the CBSE affiliated schools in foreign countries and one for Physical Education Teachers working in the CBSE affiliated schools. The award consists of a merit certificate, a shawl and a cash prize of Rs. 25,000/-. The Board appoints Regional Committees to recommend the names of principals and teachers to the Central Awards Committee of the CBSE which makes the final selection.

Sh. Kapil Sibal, Hon'ble Minister of Human Resource Development, Government of India presented CBSE awards at a glittering ceremony held on 5 September 2009 at Indian Institute of Public Administration, New Delhi in the gracious presence of Smt. D. Purandeswari, Minister of State, HRD. A number of principals and teachers, officers/officials from the education departments, academicians and students were also present.



## राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी

राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी 22-23 अक्टूबर 2009 को बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतम पुरा दिल्ली में हुई इस प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार, श्री कपिल सिब्बल ने किया तथा छात्रों द्वारा किए गए रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा भी की। श्री कपिल सिब्बल ने छात्रों में इन गतिविधियों के माध्यम से रचनात्मकता को बढ़ावा देने तथा जिज्ञासा जगाने के लिए विज्ञान शिक्षा की भूमिका की ओर ध्यान आकर्षित किया। इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले देश विदेश से सीबीएसई से सम्बद्ध 178 विद्यालय क्षेत्रीय स्तर की प्रदर्शनी में चुने गए। दिल्ली के आस-पास के विद्यालयों से बड़ी संख्या में विज्ञान अध्यापकों व छात्रों ने दो दिन में प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रदर्शनों का मूल्यांकन विषय विशेषज्ञों द्वारा पूर्व निर्णीत पैरामीटरों के आधार पर किया गया।

सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता) मा.सं.वि.मं, भारत सरकार, श्रीमती अंशु वैश ने सर्वोत्तम 20 प्रदर्शनियों को 3000/-₹ नकद पुरस्कार व एक मेरिट प्रमाण पत्र प्रदान किया। समापन के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने भाग लेने वाली टीमों की रुचि एवं प्रयासों की सराहना की एवं उनके इसी प्रकार के प्रयासों में हमेशा सफलता मिलते रहने की कामना की। अध्यक्ष सीबीएसई ने भी विज्ञान शिक्षा के सशक्तिकरण में बोर्ड के अभिनव पहलूओं के बारे में बताया और उनकी प्रतिबद्धता एवं प्रयासों के लिए विजेताओं को बधाई दी।

## National Science Exhibition

The National Level Science Exhibition was held on 22-23 October 2009 at Bal Bharati Public School, Pitampura, Delhi. Hon'ble Minister of Human Resource Development, Government of India, Shri Kapil Sibal, inaugurated the exhibition and appreciated the creative work done by the students. Shri Sibal also highlighted the role of Science Education in arousing curiosity and promoting creativity in the school going young minds through the organisation of such activities and events. One hundred seventy eight CBSE affiliated schools selected at the regional level exhibitions, from all across the country and overseas participated in the mega event. Large number of science teachers and school children from nearby schools in Delhi visited the exhibition during the two days. The exhibits were evaluated by a team of eminent subject experts on the basis of pre-decided parameters.

Secretary (School Education and Literacy), MHRD, Government of India, Smt. Anshu Vaish, gave away the cash award of Rs.3000/- and certificate of merit to each of the best twenty exhibits. While speaking on the occasion of valediction, she appreciated the interest and efforts of participating teams and wished them all success in their similar further endeavours. Chairman, CBSE highlighted the recent initiatives of the Board in strengthening science education and congratulated the winners for their commitment and efforts.





### सीबीएसई सहोदय स्कूल सम्मेलन

सीबीएसई सहोदय स्कूल के 16वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मलेन का आयोजन 9-11 दिसम्बर 2009 तक सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, गुडगांव केन्द्र में हुआ। सम्मलेन का मुख्य विषय "स्कूल सुधारो पर पुनर्विचार अवसर तथा चुनौतियां" था।

सम्मलेन का उद्घाटन श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी, माननीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया और श्री सुभाष सी. खुंटिया, संयुक्त सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा श्री विनीत जोशी, अध्यक्ष/सचिव सीबीएसई एवं अन्य उच्चाधिकारियों ने इस समारोह में भाग लिया।

### CBSE Sahodaya School Complexes

The 16th National Annual Conference of CBSE Sahodaya School Complexes was organised from 9-11 December 2009 by Sahodaya School Complexes, Gurgaon Centre. The theme of the Conference was 'Rethinking School Reforms – Opportunities and Challenges.

The Conference was inaugurated by Smt. D. Purandeswari, Hon'ble Minister of State, Ministry of Human Resource Development, Government of India. Sh. Subhash C Khuntia, Joint Secretary, Government of India, Ministry of HRD, Department of School Education and Literacy, New Delhi, Mr. Vineet Joshi, Chairman and Secretary – CBSE and other dignitaries also participated in the programme.

